डॉ. शशि भूषण
अतिथि सहायक प्राध्यापक,
हिन्दी विभाग
एस. आर. ए. पी. कॉलेज,
बारा-चकिया।

B. A. - Part - I
M. I. L
H I N D I

Date :- 21-02-2022

समास

परिभाषा :- परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों को मिलाकर जब नया सार्थक शब्द बनाया जाता है तो उस मेल को समास कहते हैं।

संस्कृत धातु अस् 'संक्षेप करना' में सम उपसर्ग जोड़कर समास शब्द निष्पन्न हुआ है, जिसका अर्थ है समाहार या मिलाप। इस प्रकार हम पाते हैं कि समास का वास्तविक अर्थ 'संक्षेपीकरण' हुआ; जैसे — चंद्र के समान मुख को हम चंद्रमुख कह सकते हैं।

समास रचना में दो शब्द (पद) होते हैं। पहला पद 'पूर्वपद' कहा जाता है और दूसरा पद 'उत्तरपद' तथा इन दोनों के समान से बना नया शब्द समस्तपद; जैसे :

पूर्वपद + उत्तरपद	समस्तपद
दश + आनन (है जिसके)	दशानन
राजा + (का) पुत्र	राजपुत्र

समास विग्रह — जब समस्तपद के सभी पद अलग-अलग किए जाते हैं, तब उस प्रक्रिया को 'समास-विग्रह' कहते हैं; जैसे — 'सीता-राम' समस्तपद का विग्रह होगा 'सीता और राम'।

Scanned by CamScanner

तत्पुरूष समास

समास के भेद

1. तत्पुरूष समास
2. कर्मधारय समास
3. द्विगु समास
4. अव्ययीभाव समास
5. द्वंद्व समास
6. बहुव्रीहि समास

तत्पुरूष समास – समस्त पद बनाते समय बीच की विभक्तियों का लोप हो जाता है। जैसे – गुरूदक्षिणा का विग्रह है- 'गुरू के लिए दक्षिणा'। समस्त पद बनाने पर (गुरूदक्षिणा) 'के लिए' विभक्ति का लोप हो गया है।

तत्पुरूष का भेद

समस्तपद	विग्रह
कर्म तत्पुरूष	सुखप्राप्त सुख को प्राप्त
करण तत्पुरूष	रेखांकित रेखा से अंकित
सम्प्रदान तत्पुरूष	पाठशाला पाठ के लिए शाला
अपादान तत्पुरूष	धानहीन धान से हीन
संबंध तत्पुरूष	राष्ट्रपति राष्ट्र का पति
अधिकरण तत्पुरूष	दानवीर दान में वीर
नञ् तत्पुरूष	अन्याय न न्याय

Scanned by CamScanner